ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

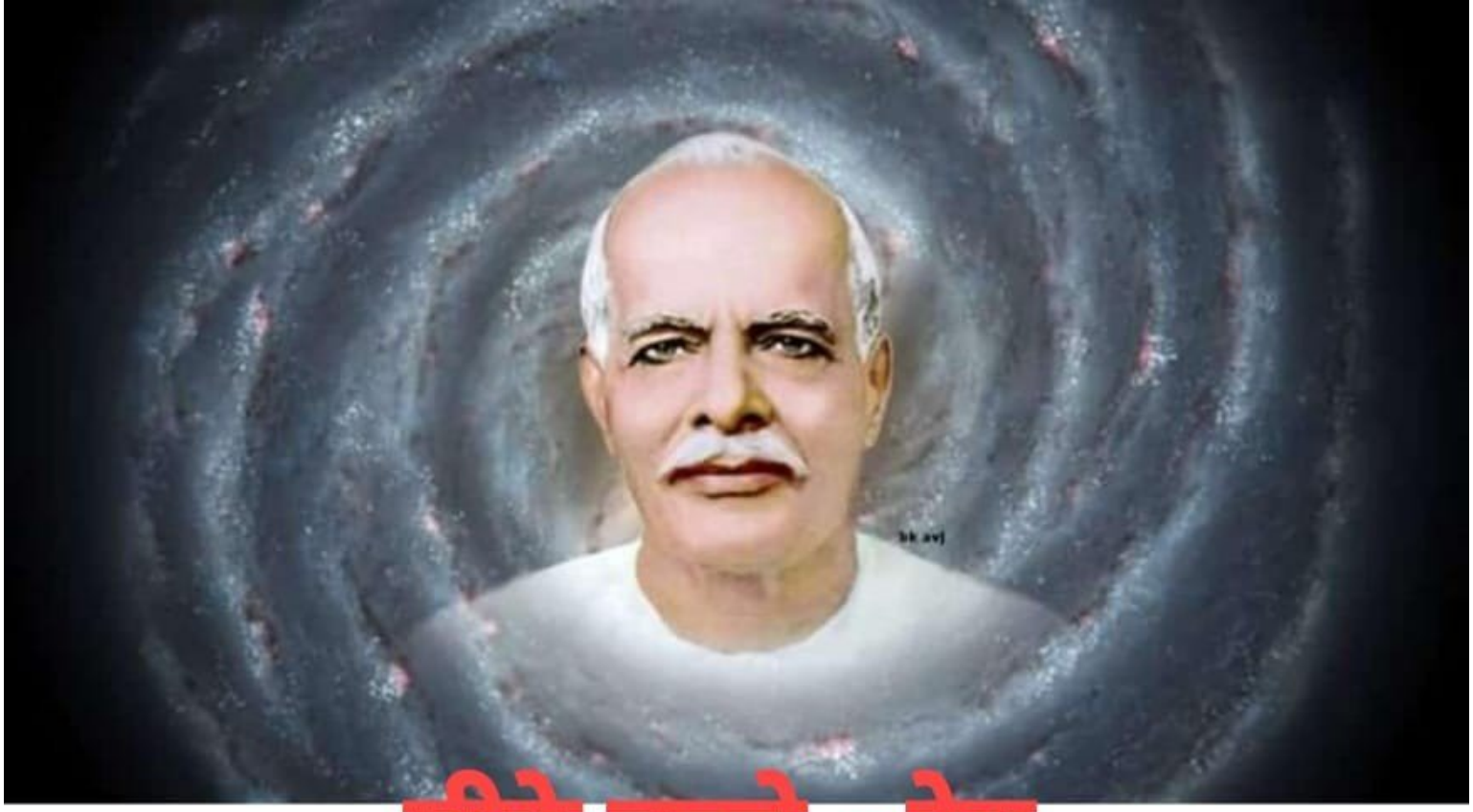

मीठे बच्चे - देह सहित यह सब कुछ ख़त्म होने वाला है, इसलिए तुम्हें पुरानी दुनिया के समाचार सुनने की दरकार नहीं, तुम बाप और वर्से को याद करो

बड़े से बड़ी बीमारी है देह - अभिमान की। इस देहभान से ही सब विकार आते हैं। जब अपने को आत्मा निश्चय कर, परमात्मा को याद करें.. तब ही देह-अभिमान टूटे।

प्राकृतिक हलचल के समय ब्राह्मणों का कर्तव्य

बापदादा- 15.11.1999

वह प्रकृति का खेल तो देख लिया। लेकिन बापदादा पूछते हैं कि आप लोगों ने सिर्फ प्रकृति का खेल देखा या अपने उड़ती कला के खेल में बिजी रहे? या सिर्फ समाचार सुनते रहे? समाचार तो सब सुनना भी पड़ता है, परन्तु जितना समाचार सुनने में इन्ट्रेस्ट रहता है उतना अपनी उड़ती कला की बाजी में रहने का इन्ट्रेस्ट रहा? कई बच्चे गुप्त योगी भी हैं, ऐसे गुप्त योगी बच्चों को बापदादा की मदद भी बहुत मिली है और ऐसे बच्चे स्वयं भी अचल, साक्षी रहे और वायुमण्डल में भी समय पर सहयोग दिया। जैसे स्थूल सहयोग देने वाले, चाहे गवर्मेन्ट, चाहे आस-पास के लोग सहयोग देने के लिए तैयार हो जाते हैं, ऐसे ब्राह्मण आत्माओं ने भी अपना सहयोग - शक्ति, शान्ति देने का, सुख देने का जो ईश्वरीय श्रेष्ठ कार्य है, वह किया? जैसे वह गवर्मेन्ट ने यह किया, फलाने देश ने यह किया... फौरन ही अनाउन्समेंट करने लग जाते हैं, तो बापदादा पूछते हैं - आप ब्राह्मणों ने भी अपना यह कार्य किया? आपको भी अलर्ट होना चाहिए। स्थूल सहयोग देना यह भी आवश्यक होता है, इसमें बापदादा मना नहीं करते लेकिन जो ब्राह्मण आत्माओं का विशेष कार्य है, जो और कोई सहयोग नहीं दे सकता, ऐसा सहयोग अलर्ट होके आपने दिया? देना है ना! या सिर्फ उन्हों को वस्त्र चाहिए, अनाज चाहिए? लेकिन पहले तो मन में शान्ति चाहिए, सामना करने की शक्ति चाहिए। तो स्थूल के साथ सूक्ष्म सहयोग ब्राह्मण ही दे सकते हैं और कोई नहीं दे सकता है। तो यह कुछ भी नहीं है, यह तो रिहर्सल है। रीयल तो आने वाला है। उसकी रिहर्सल आपको भी बाप या समय करा रहा है।

ओम् शान्ति

विजयी आत्मा बनना है तो अटेन्शन और अभ्यास - इसे निज़ी संस्कार बना लो।

संकल्प में भी
किसी भी विकार की कमजोरी,
व्यर्थ बोल, व्यर्थ भावना,
घृणा वा ईर्ष्या की भावना
पाप के खाते को बढ़ाती है
इसलिए पुण्य आत्मा भव के
वरदान द्वारा स्वयं को सेफ रख
विश्व सेवाधारी बनो

परमपिता शिव परमात्मा

Om Shanti

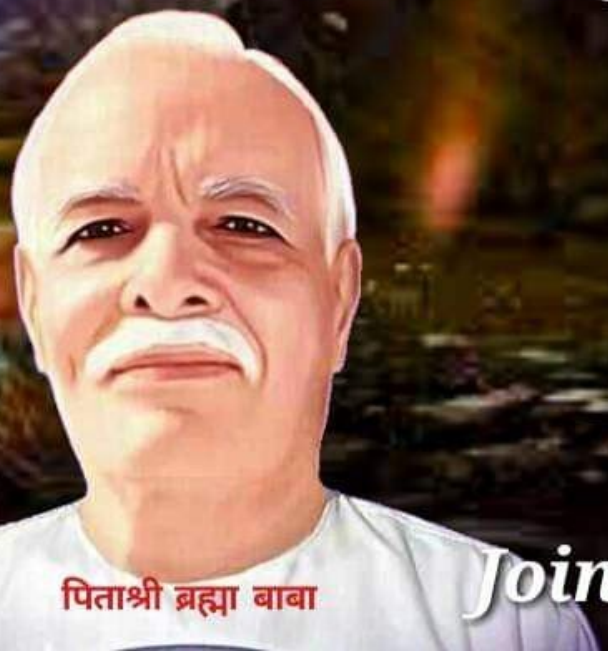

पिताश्री ब्रह्मा बाबा

Join Brahma Kumaris

परमात्म इशारे

एक है, जान लेना ... और दूसरा है, मान लेना
दोनों में बहुत फर्क है।
जानते तो बहुत लोग हैं,
परन्तु मानता कोई नहीं है!

जैसे सब जानते तो हैं कि चिन्ता
नहीं करनी चाहिए, परन्तु मानना मतलब
apply कर लेना अपनी life में,
अर्थात् उसे कर्मों में ले आना।

CH. 1221 d2h
CH. 1087 dishtv
CH. 1065 TATA PLAY
Peace of Mind
CH. 678 airtel digital TV
CH. 496 SUN DIRECT
CH. 1065 JioTV

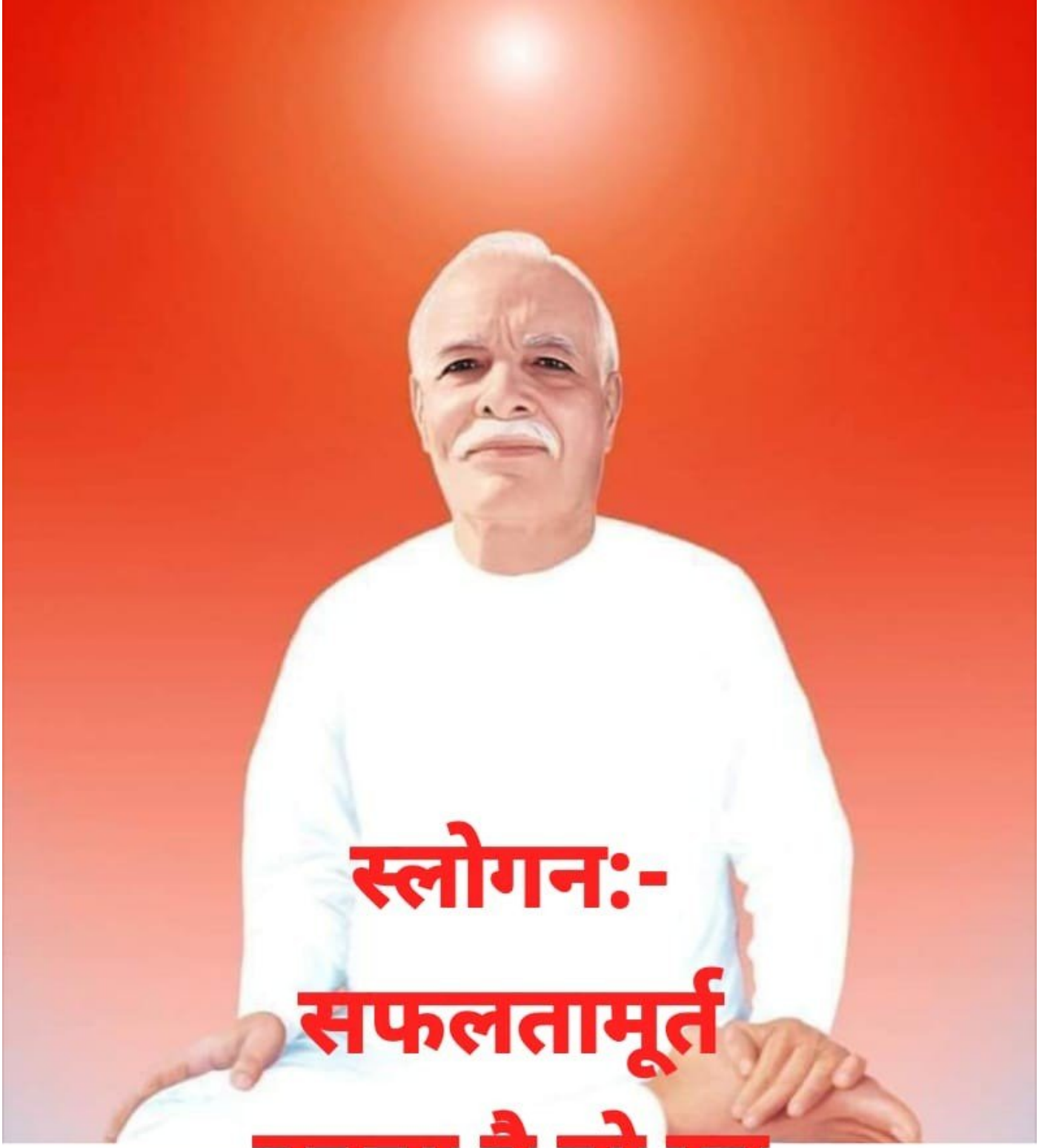

बनना है तो स्व सेवा और औरों की सेवा साथ-साथ करो।

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org